भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 465

गुरूवार, 28 नवम्बर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

छत्तीसगढ़ में धार्मिक पर्यटन

465 श्री राजीव शुक्ला:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में क्या प्रगति हुई है;

(ग) स्वदेश दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ में कुल कितने स्थलों को शामिल किया गया है; और

(घ) इस संबंध में क्या उपाय करने का विचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयास के हिस्से के रूप में संवर्धनात्मक गतिविधियों, कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रचारों आदि के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में धार्मिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन, 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' की अपनी जारी योजनाओं के माध्यम से धार्मिक स्थलों पर अवसंरचना विकास सहित पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को सम्पूरित करता है।

मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत, 48.44 करोड़ रुपये की लागत से "मां बमलेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास" नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है।

मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत, 5287.90 करोड़ रुपये की कुल 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें छत्तीसगढ़ में "जशपुर-कुनकुरी-मैनपत-कमलेशपुर-महेशपुर-कुर्दर-सरोधादादर-गंगरेल-कोंडागांव-नथियानवागांव-जगदलपुर-चित्रकूट-तीर्थगढ़ का विकास" नामक एक परियोजना शामिल है, जिसे 96.10 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी प्रदान की गई है। स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 'बिलासपुर' और 'जगदलपुर' नामक दो गंतव्यों को चिह्नित किया गया है और स्वदेश दर्शन 2.0 की उप-योजना, चुनौती आधारित गंतव्य विकास के तहत 'मयाली बगीचा' नामक एक गंतव्य को चिह्नित किया गया है।

*****